



Mr.PREM SHARMA

14 Nov 1952

06:30 PM

Simla

Model: Web-VarshKundli

Order No: 120150601

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 14/11/1952 : _____ जन्म तिथि _____ : 15/11/2025
 शुक्रवार : _____ दिन _____ : शनिवार
 घंटे 18:30:00 : _____ जन्म समय _____ : 15:49:48 घंटे
 घटी 29:16:15 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 22:32:57 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Simla : _____ स्थान _____ : Simla
 उत्तर 31:06:00 : _____ अक्षांश _____ : 31:06:00 उत्तर
 पूर्व 77:10:00 : _____ रेखांश _____ : 77:10:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:20 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:20 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:47:29 : _____ सूर्योदय _____ : 06:48:37
 17:23:53 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:23:13
 23:12:06 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:10
 वृष : _____ लग्न _____ : मेष
 शुक्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : मंगल
 कन्या : _____ राशि _____ : कन्या
 बुध : _____ राशि-स्वामी _____ : बुध
 हस्त : _____ नक्षत्र _____ : उ०फाल्गुनी
 चन्द्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : सूर्य
 4 : _____ चरण _____ : 3
 प्रीति : _____ योग _____ : विष्कुम्भ
 तैतिल : _____ करण _____ : बालव
 ठ-ठाकुर : _____ जन्म नामाक्षर _____ : पा-पल्लवी
 वृश्चिक : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृश्चिक
 वैश्य : _____ वर्ण _____ : वैश्य
 मानव : _____ वश्य _____ : मानव
 महिष : _____ योनि _____ : गौ
 देव : _____ गण _____ : मनुष्य
 आद्य : _____ नाडी _____ : आद्य
 श्वान : _____ वर्ग _____ : मूषक
 73 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 74

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
रोहिणी	3	18:18:08	वृष			लग्न			मेष	00:14:51	1	अश्विनी
विशाखा	3	28:54:29	तुला			सूर्य			तुला	29:05:06	3	विशाखा
हस्त	4	22:49:23	कन्या			चंद्र			कन्या	06:05:15	3	उ०फाल्गुनी
उत्तराषाढा	2	01:17:32	मक			मंगल			अ वृश्चि	13:38:19	4	अनुराधा
ज्येष्ठा	2	21:06:50	वृश्चि			बुध	व		अ वृश्चि	10:05:01	3	अनुराधा
भरणी	3	21:52:31	मेष	व		गुरु	व		कर्क	00:54:35	4	पुनर्वसु
मूल	2	05:13:45	धनु			शुक्र			तुला	16:25:06	3	स्वाति
चित्रा	2	28:48:49	कन्या			शनि	व		मीन	01:04:57	4	पू०भाद्रपद
धनिष्ठा	1	23:26:41	मक	व		राहु	व		कुंभ	21:54:52	1	पू०भाद्रपद
आश्लेषा	3	23:26:41	कर्क	व		केतु	व		सिंह	21:54:52	3	पू०फाल्गुनी
पुनर्वसु	2	25:08:21	मिथु	व		मु			मिथु	18:18:08	4	आर्द्रा

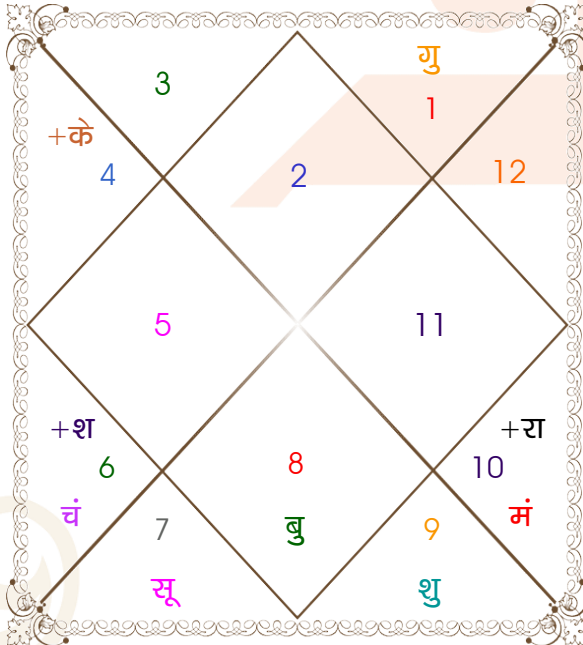
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

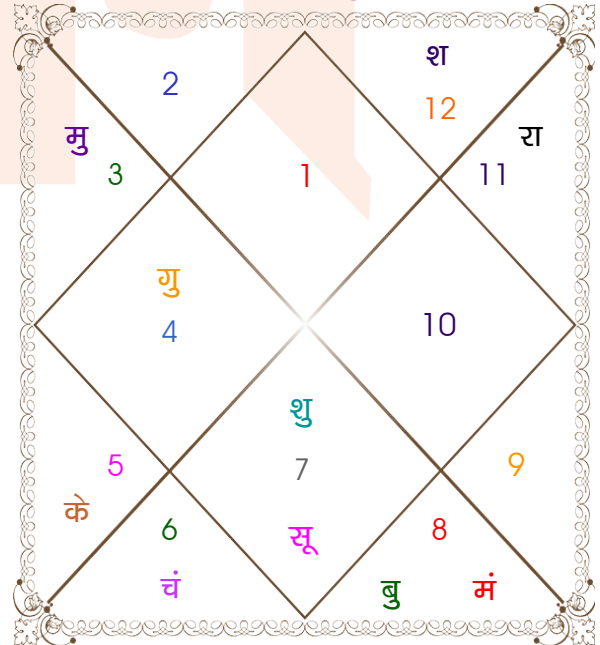
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम
चन्द्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र	सम	शत्रु
मंगल	सम	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	मित्र
बुध	सम	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
गुरु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	शत्रु	सम	सम	सम	शत्रु	---	सम
शनि	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मेष	तुला	कन्या	वृश्चि	वृश्चि	कर्क	तुला	मीन
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मेष	धनु	सिंह	सिंह	सिंह	वृष	कुंभ	मक
चतुर्थांश	मेष	कर्क	कन्या	कुंभ	कुंभ	कर्क	मेष	मीन
पंचमांश	मेष	तुला	कन्या	मीन	कन्या	वृष	धनु	वृष
षष्ठांश	मेष	कन्या	वृश्चि	धनु	धनु	तुला	कर्क	तुला
सप्तमांश	मेष	मेष	मेष	सिंह	कर्क	मक	मक	कन्या
अष्टमांश	मेष	वृश्चि	मिथु	वृश्चि	तुला	मेष	सिंह	वृष
नवमांश	मेष	मिथु	कुंभ	वृश्चि	तुला	कर्क	कुंभ	कर्क
दशमांश	मेष	कर्क	कर्क	वृश्चि	तुला	मीन	मीन	वृश्चि
एकादशांश	मीन	कर्क	तुला	मीन	मक	मिथु	मीन	कुंभ
द्वादशांश	मेष	कन्या	वृश्चि	मेष	मीन	कर्क	मेष	मीन

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	मित्र	स्व	मित्र
होरा	सम	स्व	मित्र	मित्र	मित्र	सम	शत्रु
द्रेष्काण	शत्रु	सम	सम	सम	शत्रु	सम	स्व
चतुर्थांश	सम	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	सम	मित्र
पंचमांश	शत्रु	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	सम
षष्ठांश	सम	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	सम	सम
सप्तमांश	सम	मित्र	सम	मित्र	मित्र	सम	मित्र
अष्टमांश	सम	मित्र	स्व	सम	मित्र	शत्रु	सम
नवमांश	सम	शत्रु	स्व	सम	मित्र	सम	शत्रु
दशमांश	सम	स्व	स्व	सम	स्व	शत्रु	मित्र
एकादशांश	सम	सम	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	स्व
द्वादशांश	सम	मित्र	स्व	मित्र	मित्र	सम	मित्र
शुभ	0	9	10	7	9	1	7
सम	9	2	2	4	0	7	3
अशुभ	3	1	0	1	3	4	2
कुल	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	5
द्वितीय बल	0	0	5	0	5	5	0
तृतीय बल	0	0	0	5	5	5	0
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	5	0	10	5	15	10	5
बल	क्षीण	अतिक्षीण	सामान्य	क्षीण	बली	सामान्य	क्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	22.50	30.00	7.50	22.50	30.00	22.50
उच्च बल	2.12	6.32	11.74	13.88	19.55	2.16	5.44
हददा बल	7.50	11.25	3.75	7.50	11.25	3.75	7.50
द्रेष्काण	2.50	5.00	5.00	5.00	2.50	5.00	10.00
नवमांश	2.50	1.25	5.00	2.50	3.75	2.50	1.25
कुल	22.12	46.32	55.49	36.38	59.55	43.41	46.69
विंशोपक	5.53	11.58	13.87	9.09	14.89	10.85	11.67
बल	सामान्य	शुभ	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शुक्र	10.85	अति अशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	मंगल	13.87	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	बुध	9.09	दृष्टि नहीं	शुक्र
दिवापति	शुक्र	10.85	अति अशुभ	
त्रिराशिपति	सूर्य	5.53	अति अशुभ	

पात्यंश दशा

लग्न	गुरु	शनि	चंद्र	बुध
15/11/2025	18/11/2025	27/11/2025	29/11/2025	31/01/2026
18/11/2025	27/11/2025	29/11/2025	31/01/2026	22/03/2026
15/11/2025	गुरु 18/11/2025	शनि 27/11/2025	चंद्र 10/12/2025	बुध 07/02/2026
15/11/2025	शनि 19/11/2025	चंद्र 27/11/2025	बुध 18/12/2025	मंगल 13/02/2026
15/11/2025	चंद्र 20/11/2025	बुध 27/11/2025	मंगल 26/12/2025	शुक्र 17/02/2026
चंद्र 16/11/2025	बुध 21/11/2025	मंगल 28/11/2025	शुक्र 01/01/2026	सूर्य 11/03/2026
बुध 16/11/2025	मंगल 22/11/2025	शुक्र 28/11/2025	सूर्य 28/01/2026	लग्न 12/03/2026
मंगल 17/11/2025	शुक्र 23/11/2025	सूर्य 29/11/2025	लग्न 29/01/2026	गुरु 13/03/2026
शुक्र 17/11/2025	सूर्य 27/11/2025	लग्न 29/11/2025	गुरु 30/01/2026	शनि 13/03/2026
सूर्य 18/11/2025	लग्न 27/11/2025	गुरु 29/11/2025	शनि 31/01/2026	चंद्र 22/03/2026

मंगल	शुक्र	सूर्य	सूर्य	सूर्य
22/03/2026	05/05/2026	09/06/2026	09/06/2026	09/06/2026
05/05/2026	09/06/2026	15/11/2026	15/11/2026	15/11/2026
मंगल 27/03/2026	शुक्र 09/05/2026	सूर्य 18/08/2026	सूर्य 18/08/2026	सूर्य 18/08/2026
शुक्र 01/04/2026	सूर्य 24/05/2026	लग्न 19/08/2026	लग्न 19/08/2026	लग्न 19/08/2026
सूर्य 20/04/2026	लग्न 24/05/2026	गुरु 23/08/2026	गुरु 23/08/2026	गुरु 23/08/2026
लग्न 20/04/2026	गुरु 25/05/2026	शनि 24/08/2026	शनि 24/08/2026	शनि 24/08/2026
गुरु 21/04/2026	शनि 25/05/2026	चंद्र 20/09/2026	चंद्र 20/09/2026	चंद्र 20/09/2026
शनि 22/04/2026	चंद्र 31/05/2026	बुध 12/10/2026	बुध 12/10/2026	बुध 12/10/2026
चंद्र 29/04/2026	बुध 05/06/2026	मंगल 31/10/2026	मंगल 31/10/2026	मंगल 31/10/2026
बुध 05/05/2026	मंगल 09/06/2026	शुक्र 15/11/2026	शुक्र 15/11/2026	शुक्र 15/11/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

मंगल	राहु	गुरु	शनि	बुध
15/11/2025	06/12/2025	30/01/2026	20/03/2026	17/05/2026
06/12/2025	30/01/2026	20/03/2026	17/05/2026	08/07/2026
मंगल 16/11/2025	राहु 15/12/2025	गुरु 06/02/2026	शनि 29/03/2026	बुध 24/05/2026
राहु 20/11/2025	गुरु 22/12/2025	शनि 13/02/2026	बुध 06/04/2026	केतु 27/05/2026
गुरु 22/11/2025	शनि 31/12/2025	बुध 20/02/2026	केतु 10/04/2026	शुक्र 05/06/2026
शनि 26/11/2025	बुध 07/01/2026	केतु 23/02/2026	शुक्र 19/04/2026	सूर्य 07/06/2026
बुध 29/11/2025	केतु 11/01/2026	शुक्र 03/03/2026	सूर्य 22/04/2026	चंद्र 12/06/2026
केतु 30/11/2025	शुक्र 20/01/2026	सूर्य 06/03/2026	चंद्र 27/04/2026	मंगल 15/06/2026
शुक्र 04/12/2025	सूर्य 22/01/2026	चंद्र 10/03/2026	मंगल 30/04/2026	राहु 22/06/2026
सूर्य 05/12/2025	चंद्र 27/01/2026	मंगल 13/03/2026	राहु 09/05/2026	गुरु 29/06/2026
चंद्र 06/12/2025	मंगल 30/01/2026	राहु 20/03/2026	गुरु 17/05/2026	शनि 08/07/2026

केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	चंद्र
08/07/2026	29/07/2026	28/09/2026	16/10/2026	16/10/2026
29/07/2026	28/09/2026	16/10/2026	15/11/2026	15/11/2026
केतु 09/07/2026	शुक्र 08/08/2026	सूर्य 29/09/2026	चंद्र 19/10/2026	चंद्र 19/10/2026
शुक्र 12/07/2026	सूर्य 11/08/2026	चंद्र 30/09/2026	मंगल 20/10/2026	मंगल 20/10/2026
सूर्य 13/07/2026	चंद्र 16/08/2026	मंगल 01/10/2026	राहु 25/10/2026	राहु 25/10/2026
चंद्र 15/07/2026	मंगल 20/08/2026	राहु 04/10/2026	गुरु 29/10/2026	गुरु 29/10/2026
मंगल 16/07/2026	राहु 29/08/2026	गुरु 06/10/2026	शनि 03/11/2026	शनि 03/11/2026
राहु 20/07/2026	गुरु 06/09/2026	शनि 09/10/2026	बुध 07/11/2026	बुध 07/11/2026
गुरु 22/07/2026	शनि 16/09/2026	बुध 12/10/2026	केतु 09/11/2026	केतु 09/11/2026
शनि 26/07/2026	बुध 24/09/2026	केतु 13/10/2026	शुक्र 14/11/2026	शुक्र 14/11/2026
बुध 29/07/2026	केतु 28/09/2026	शुक्र 16/10/2026	सूर्य 15/11/2026	सूर्य 15/11/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - गुरु - शनि 07/08/2025 03:50 16/12/2025 05:52	बुध - गुरु - बुध 16/12/2025 05:52 12/04/2026 12:43	बुध - गुरु - केतु 12/04/2026 12:43 30/05/2026 19:47	बुध - गुरु - शुक्र 30/05/2026 19:47 15/10/2026 19:23
शनि 27/08/2025 21:58 बुध 15/09/2025 11:39 केतु 23/09/2025 03:10 शुक्र 14/10/2025 23:30 सूर्य 21/10/2025 12:48 चंद्र 01/11/2025 10:58 मंगल 09/11/2025 02:29 राहु 28/11/2025 18:24 गुरु 16/12/2025 05:52	बुध 01/01/2026 20:38 केतु 08/01/2026 16:50 शुक्र 28/01/2026 05:59 सूर्य 03/02/2026 02:43 चंद्र 12/02/2026 21:17 मंगल 19/02/2026 17:29 राहु 09/03/2026 07:43 गुरु 24/03/2026 23:02 शनि 12/04/2026 12:43	केतु 15/04/2026 08:20 शुक्र 23/04/2026 09:31 सूर्य 25/04/2026 19:28 चंद्र 29/04/2026 20:03 मंगल 02/05/2026 15:40 राहु 09/05/2026 21:31 गुरु 16/05/2026 08:04 शनि 23/05/2026 23:35 बुध 30/05/2026 19:47	शुक्र 22/06/2026 19:43 सूर्य 29/06/2026 17:18 चंद्र 11/07/2026 05:16 मंगल 19/07/2026 06:26 राहु 08/08/2026 23:11 गुरु 27/08/2026 08:43 शनि 18/09/2026 05:04 बुध 07/10/2026 18:12 केतु 15/10/2026 19:23
बुध - गुरु - सूर्य 15/10/2026 19:23 26/11/2026 04:52	बुध - गुरु - चंद्र 26/11/2026 04:52 03/02/2027 04:40	बुध - गुरु - मंगल 03/02/2027 04:40 23/03/2027 11:43	बुध - गुरु - राहु 23/03/2027 11:43 25/07/2027 16:10
सूर्य 17/10/2026 21:03 चंद्र 21/10/2026 07:51 मंगल 23/10/2026 17:48 राहु 29/10/2026 22:49 गुरु 04/11/2026 11:17 शनि 11/11/2026 00:35 बुध 16/11/2026 21:20 केतु 19/11/2026 07:17 शुक्र 26/11/2026 04:52	चंद्र 01/12/2026 22:51 मंगल 05/12/2026 23:26 राहु 16/12/2026 07:48 गुरु 25/12/2026 12:35 शनि 05/01/2027 10:45 बुध 15/01/2027 05:19 केतु 19/01/2027 05:54 शुक्र 30/01/2027 17:52 सूर्य 03/02/2027 04:40	मंगल 06/02/2027 00:16 राहु 13/02/2027 06:08 गुरु 19/02/2027 16:40 शनि 27/02/2027 08:11 बुध 06/03/2027 04:23 केतु 09/03/2027 00:00 शुक्र 17/03/2027 01:11 सूर्य 19/03/2027 11:08 चंद्र 23/03/2027 11:43	राहु 11/04/2027 02:47 गुरु 27/04/2027 16:11 शनि 17/05/2027 08:05 बुध 03/06/2027 22:19 केतु 11/06/2027 04:10 शुक्र 01/07/2027 20:55 सूर्य 08/07/2027 01:56 चंद्र 18/07/2027 10:18 मंगल 25/07/2027 16:10
बुध - शनि - शनि 25/07/2027 16:10 28/12/2027 08:04	बुध - शनि - बुध 28/12/2027 08:04 15/05/2028 14:42	बुध - शनि - केतु 15/05/2028 14:42 11/07/2028 23:05	बुध - शनि - शुक्र 11/07/2028 23:05 22/12/2028 19:37
शनि 19/08/2027 07:41 बुध 10/09/2027 08:56 केतु 19/09/2027 10:51 शुक्र 15/10/2027 09:30 सूर्य 23/10/2027 04:18 चंद्र 05/11/2027 03:38 मंगल 14/11/2027 05:33 राहु 07/12/2027 13:56 गुरु 28/12/2027 08:04	बुध 17/01/2028 01:36 केतु 25/01/2028 04:35 शुक्र 17/02/2028 09:42 सूर्य 24/02/2028 08:50 चंद्र 06/03/2028 23:23 मंगल 15/03/2028 02:22 राहु 04/04/2028 23:46 गुरु 23/04/2028 13:27 शनि 15/05/2028 14:42	केतु 18/05/2028 23:00 शुक्र 28/05/2028 12:24 सूर्य 31/05/2028 09:13 चंद्र 05/06/2028 03:55 मंगल 08/06/2028 12:12 राहु 17/06/2028 02:39 गुरु 24/06/2028 18:10 शनि 03/07/2028 20:06 बुध 11/07/2028 23:05	शुक्र 08/08/2028 06:31 सूर्य 16/08/2028 11:08 चंद्र 30/08/2028 02:51 मंगल 08/09/2028 16:15 राहु 03/10/2028 06:07 गुरु 25/10/2028 02:28 शनि 20/11/2028 01:07 बुध 13/12/2028 06:13 केतु 22/12/2028 19:37

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

* * * * *

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्टान्न भोजन के प्रति विशेष रुचि रहेगी। इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आप अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा समाज में अपना प्रभाव स्थापित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही आपकी मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में इस समय श्रद्धा रहेगी तथा किसी शुभ एवं पुण्य कार्य को करने में आप रुचिशील रहेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगे तथा श्रद्धा पूर्वक इनका पूजन करेंगे। साथ ही अन्य लोगों के परोपकार संबंधी कार्य को करने में भी उद्यत रहेंगे तथा परोपकार संबंधी कार्यों में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। इस समय आप स्वपराक्रम से विभिन्न प्रकार के सुख संसाधनों को भी अर्जित करेंगे।

इस वर्ष में भाइयों , मित्रों तथा संबंधियों से आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा तथा इनके मध्य आपके मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी । इस समय राजनैतिक नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको सहयोग मिलेगा तथा आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। इसके साथ ही आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे तथा विगत रुके हुए कार्यों में भी आपको कार्य सिद्धि मिलेगी। साथ ही इस वर्ष में आप कोई तीर्थ यात्रा करने के भी इच्छुक रहेंगे। अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्तिपूर्ण रहेगा।

मासिक फलादेश

प्रथम मास

15/11/2025 15:49:48 से 16/12/2025 02:20:51 तक

इस मास में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को अर्जित करने में सफल होंगे। साथ ही समाज में आपका यश भी व्याप्त होगा। धर्म के प्रति आपके मन में आस्था होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति श्रद्धा रखेंगे तथा श्रद्धापूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय परोपकार की भावना भी आपके मन में उत्पन्न होगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग के आश्रय से आप पूर्ण यशार्जन करेंगे एवं आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साथ ही भाइयों से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप अपने मानसिक विचारों या संकल्पों को पूर्ण करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी आपको वांछित सहयोग प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी एवं सम्पूर्ण मास आप उचित धन लाभ एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश अर्जित करेंगे।

द्वितीय मास

16/12/2025 02:20:51 से 15/01/2026 12:51:54 तक

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में अर्जित करेंगे एवं अशुभ फल न्यून ही घटित होंगे। इसके प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सहयोग तथा आदर प्राप्त करेंगे एवं वे सभी आपसे संतुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों को आप पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा उनसे सम्बन्ध भी मधुर रहेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा उनकी सेवा एवं पूजन के कार्य को आप अवश्य सम्पन्न करेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। साथ ही अपनी असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करके मानसिक शान्ति एवं प्रसन्नता प्राप्त करेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभ फलदायक ही सिद्ध होगा।

साथ ही यदा कदा अशुभ फलों के प्रभाव से आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा को आंच आएगी एवं आप उसके लिए पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा धन हानि का योग भी बनता है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

तृतीय मास

15/01/2026 12:51:54 से 14/02/2026 23:22:57 तक

इस महीने में आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज एवं समाजिक जनों के मध्य यशार्जन करने में भी आप समर्थ रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना विद्यमान रहेगी तथा श्रद्धापूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। साथ ही अन्य जनों का परोपकार करने के लिए भी आप उद्यत रहेंगे। आपका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा किसी भी प्रकार से आप शारीरिक या मानसिक कष्ट प्राप्त नहीं करेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनके आश्रय से समाज में ख्याति अर्जित करेंगे। मित्र एवं भाइयों से इस मास आपको उचित सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इस समय आप दूर या समीप की यात्रा भी कर सकते हैं जिससे आपको लाभ होगा। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र तथा द्रव्यों को भी आप प्राप्त करेंगे या इनसे युक्त होंगे। अतः यह मास आपके लिए विशेष शुभ एवं आनंददायक रहेगा।

चतुर्थ मास

14/02/2026 23:22:57 से 17/03/2026 09:54:00 तक

यह मास आपके लिए पूर्ण रूपेण शुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेंगे। फलतः आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त करने में सफल हो सकेंगे। धनार्जन इस समय प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको धन लाभ हो सकेगा। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होने की सम्भावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपकी यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश रूप से भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे। इस मास आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मानप्रतिष्ठा अर्जित करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस समय गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्रों या अन्य द्रव्यों को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे एवं आनंदपूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे।

पंचम मास

17/03/2026 09:54:00 से 16/04/2026 20:25:03 तक

यह मास आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा आर्थिक स्थिति को सुधारने में सफल रहेंगे। इस मास आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबंध होंगे। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्टान का उपभोग भी अधिक मात्रा में कर सकेंगे। इस मास आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा फलतः शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु वर्ग को पराजित करने में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों से भी आप धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य महिला सहयोगियों से भी वांछित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा समाज में आपका यश व्याप्त रहेगा।

षष्ठ मास

16/04/2026 20:25:03 से 17/05/2026 06:56:06 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप मात्रा में लाभार्जन करेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय से सम्पन्न हो जाएंगे। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपका यश दूर दूर तक फैलेगा तथा भाग्योदय संबंधी कार्य शीघ्र सम्पन्न होते रहेंगे। आपकी बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारियों से मान एवं सम्मान अर्जित करेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों से अत्यंत ही मधुर संबंध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस प्रकार सम्पूर्ण मास विविध प्रकार के सुखों को उपभोग करते हुए व्यतीत करेंगे तथा समाज से यश भी अर्जित करेंगे।

सप्तम् मास

17/05/2026 06:56:06 से 16/06/2026 17:27:09 तक

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहिनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

अष्टम् मास

16/06/2026 17:27:09 से 17/07/2026 03:58:12 तक

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबंधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्माननीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रुचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

नवम् मास

17/07/2026 03:58:12 से 16/08/2026 14:29:15 तक

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्टान्न के प्रति भी अधिक रुचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यों से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास

16/08/2026 14:29:15 से 16/09/2026 01:00:18 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वर्ग! आपसे पूर्ण प्रसन्नता सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न होगा। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा इनकी ओर से आप निश्चिन्त रहेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबंधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा तथा आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धन एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आप श्रद्धालु होंगे एवं धर्मानुपालन में तत्पर रहेंगे जिससे समाज में आपके सम्मान में अभिवृद्धि होगी।

एकादश मास

16/09/2026 01:00:18 से 16/10/2026 11:31:21 तक

इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही समाज में आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपके परिवार तथा मित्र जनों से मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आप यथोचित आदर प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मिष्टान्न के प्रति आपकी तीव्र रुचि रहेगी। शारीरिक बल की भी आप में पूर्णता रहेगी एवं शत्रुओं को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे। स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा अतः आपका गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा। इसके अलावा व्यापारिक कार्यों से भी आप अतिरिक्त धन अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

द्वादश मास

16/10/2026 11:31:21 से 15/11/2026 22:02:24 तक

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे तथा शुभ फल अल्प मात्रा में होंगे। इस समय शत्रुपक्ष के प्रबल होने से उनसे आप कष्ट प्राप्त करेंगे तथा चिन्तित भी रहेंगे। साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे तथा विभिन्न प्रकार से व्यवधान आते रहेंगे। साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आप आर्थिक दृष्टि से भी परेशान रहेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आप उपेक्षा का भाव रखेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आपको शारीरिक कष्ट हो सकते हैं। साथ ही आपकी कोई दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यों में भी आप असफल रहेंगे तथा किसी मुकद्दमे आदि में धन हानि की भी संभावना रहेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता से समय को व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में समय समय पर आप शुभ फल भी अर्जित कर सकेंगे। इसके प्रभाव से आप स्त्री का पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा जिससे आपके कई कार्य बुद्धिमता से पूर्ण होंगे तथा धनार्जन में भी आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी श्रद्धा का भाव रखकर समाज में आदर प्राप्त करेंगे।